गुस्सा

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- तमाम रिवायते हदीष के खुलासे है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{१} बुखारी; हज़रत अबू हरेरा (रदी) की रिवायत का खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- ताकतवर वो शख्स नहीं है जो कुश्ती में दूसरो को पछाड देता है, बल्की ताकतवर तो हकीकत में वो है जो गुस्से के मोके पर अपने उपर काबू रखता है. यानी गुस्से में आकर कोई ऐसी हरकत नहीं करता है जो अल्लाह और उस्के रसूल को नापसन्द है.

{२} अबू दाउद; हज़रत अतिय्यह सअदी (रदी) की रिवायत का खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- गुस्सा शैतानी असर का नतीजा है, और शैतान आग से पैदा हुवा है, और आग सिर्फ पानी से बुजती है, तो जिस किसी को गुस्सा आए तो उसे चाहिए की वुजू करे. इस हदीस में और दूसरी हदीसो में जिस गुस्से को शैतानी असर कहा गया है उससे मुराद वो

गुस्सा है जो अपनी जात के लिए आया है, हा वो गुस्सा जो मोमिन को दुश्मनो पर आता है, वो गुस्सा बहुत ही अच्छी सिफत है, अगर कोई दीन को तबाह करने आ-रहा है उस वकत गुस्सा ना आना ईमान की कमी की निशानी है.

{३} मिश्कत; हज़रत अबूजर गिफारी (रदी) की रिवायत का खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- जब तुम्मे से किसी को गुस्सा आए और वो खडा हो तो उसे चाहिए की बेठ जाए इस तदबीर से गुस्सा चला जाए तो बेहतर है वरना लेट जाए. इस हदीस में और इस्से पहली हदीस में गुस्से को खत्म करने की जो तदबीरें रसूलुल्लाह ﷺ ने बताई है तजरूबा उन्के सही होने पर गवाह है.

{४} मिश्कात; हज़रत अबू हुरेरा (रदी) की रिवायत का खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया- की हजरत मूसा (अल) ने अल्लाह से पूछा ए मेरे रब! आपके नजदीक आपके बन्दो में कौन सब्से प्यारा है? अल्लाह ने कहा, वो जो बदला लेने की ताकत रखने के बावजूद माफ कर दे.

{५} मिश्कात; हज़रत अनस (रदी) की रिवायत का खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जो हकके खिलाफ बोलने से अपनी जुबान की हिफाजत करेगा, अल्लाह उस्के ऐब पर परदा डालेगा, और जो अपने गुस्से को रोकेगा अल्लाह कयामत के दिन अजाब को उससे हटा लेगा, और जो शख्स अल्लाह से माफी मांगेग अल्लाह उसे माफ कर देगा.

{६} बुखारी; हज़रत अबू हुरैरा (रदी) की रिवायत का खुलासा- एक आदमी ने (जो शायद मिज़ाज का तेज़ था) आपﷺ से कहा मुझे कोई वसीयत फरमाए, आपﷺ ने फरमाया- गुस्सा ना किया करो, उस आदमी ने बार-बार कहा मुझे वसीयत फरमाए आपने हर बार यही फरमाया- "गुस्सा ना किया करो".